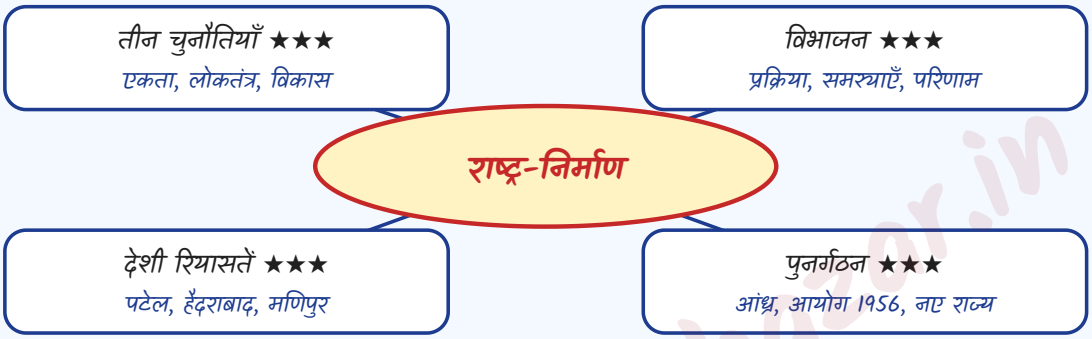
FREE SAMPLE | Buy the complete pack at notesbazar.in | page 1 of 18

अध्याय 8
राष्ट्र-निर्माण की चुनौतियाँ

नए राष्ट्र के सामने चुनौतियाँ: तीन चुनौतियाँ · विभाजन: विस्थापन और पुनर्वास, प्रक्रिया, परिणाम · देशी रियासतों का विलय: समस्या, सरकार का दृष्टिकोण, हैदराबाद, मणिपुर · राज्यों का पुनर्गठन: आंध्र आंदोलन, राज्य पुनर्गठन आयोग, बाद के राज्य

अध्याय-मानचित्र (★ = परीक्षा के लिए सबसे महत्त्वपूर्ण)



पाठ्यक्रम और अंक-भार

6 अंक। सबसे अधिक पूछे गए विषय: तीन चुनौतियाँ, विभाजन की समस्याएँ और परिणाम, सांप्रदायिक सद्भाव में गाँधीजी की भूमिका, देशी रियासतों का विलय (पटेल, विलय-पत्र, हैदराबाद, मणिपुर, जूनागढ़), राज्यों का पुनर्गठन (पोट्टी श्रीरामुलु, राज्य पुनर्गठन आयोग), राज्यों के मानचित्र और उनके गठन की तिथियाँ।

★ **परीक्षा-सुझाव:** **14-15 अगस्त 1947** की मध्यरात्रि को भारत स्वतंत्र हुआ; नेहरू ने संविधान सभा में अपना प्रसिद्ध "**ट्रिस्ट विद डेस्टिनी**" (नियति से साक्षात्कार) भाषण दिया। स्वतंत्रता के साथ विभाजन भी आया: **1947 अभूतपूर्व हिंसा और त्रासदी का वर्ष था**। इस पर सहमति थी कि भारत का शासन लोकतांत्रिक सरकार द्वारा चलाया जाएगा और सरकार सबके कल्याण के लिए, विशेषकर ग़रीबों और सामाजिक रूप से वंचितों के लिए, काम करेगी।

एक नज़र में: प्रमुख वर्ष (अध्याय की समय-रेखा)

वर्ष	घटना	वर्ष	घटना
1920	नागपुर अधिवेशन: भाषायी सिद्धांत की मान्यता	सितंबर 1948	हैदराबाद में सेना की कार्रवाई
14-15 अगस्त 1947	स्वतंत्रता; "ट्रिस्ट विद डेस्टिनी"	सितंबर 1949	मणिपुर का विलय समझौता
नवंबर 1947	निज़ाम का यथास्थिति समझौता	दिसंबर 1952	आंध्र राज्य की घोषणा (गठन 1 अक्टूबर 1953)
30 जनवरी 1948	गाँधीजी की हत्या	1953 / 1956	राज्य पुनर्गठन आयोग / अधिनियम (14 राज्य, 6 केंद्रशासित प्रदेश)
जून 1948	मणिपुर में पहला वयस्क-मताधिकार चुनाव	1960 / 1966	गुजरात-महाराष्ट्र / हरियाणा
2000: छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, झारखंड		2014: तेलंगाना	

प्रमुख शब्द: **द्वि-राष्ट्र सिद्धांत** — मुस्लिम लीग; **विलय-पत्र** — रियासत के भारत में मिलने का दस्तावेज़; **सर्वोच्चता (पैरामाउंटसी)** — रियासतों पर ब्रिटिश सत्ता; **रज़ाकार** — निज़ाम का अर्धसैनिक बल; **विशालांध्र** — तेलुगु-भाषी राज्य की माँग; **प्रिवी पर्स**; **जनमत-संग्रह** — जूनागढ़।

8.1 तीन चुनौतियाँ ★★★

1. **ऐसे राष्ट्र का निर्माण करना जो एकजुट हो, फिर भी समाज की विविधता को समाहित करे:** भारत महाद्वीप-जितना विशाल और विविधताओं वाला देश था, जिसमें अलग-अलग भाषाएँ, संस्कृतियाँ और धर्म थे; उस समय आम धारणा थी कि इतनी विविधता से भरा देश लंबे समय तक एक साथ नहीं रह सकता; विभाजन ने इस आशंका को पुष्ट ही किया; भारत के भविष्य को लेकर गंभीर प्रश्न थे: क्या भारत एकजुट देश के रूप में बचा रहेगा? क्या वह राष्ट्रीय एकता पर बल देकर बाकी हर उद्देश्य की बलि चढ़ा देगा? क्या इसका अर्थ सभी क्षेत्रीय और उप-राष्ट्रीय पहचानों को अस्वीकार करना होगा? भू-भाग के एकीकरण का तात्कालिक प्रश्न भी था।
2. **लोकतंत्र की स्थापना:** भारत ने संसदीय शासन-प्रणाली पर आधारित **प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र** अपनाया; ये विशेषताएँ लोकतांत्रिक ढाँचे में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित करती हैं; संविधान ने **मौलिक अधिकार** दिए और **प्रत्येक नागरिक को मताधिकार** दिया; चुनौती थी संविधान के अनुरूप लोकतांत्रिक व्यवहार विकसित करना।
3. **संपूर्ण समाज के विकास और कल्याण को सुनिश्चित करना,** केवल कुछ वर्गों का नहीं: संविधान ने **समानता** के सिद्धांत और सामाजिक रूप से वंचित समूहों तथा धार्मिक और सांस्कृतिक समुदायों के लिए विशेष संरक्षण का स्पष्ट प्रावधान किया; **राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धांतों** ने कल्याण के वे लक्ष्य निर्धारित किए जिन्हें लोकतांत्रिक राजनीति को प्राप्त करना है; असली चुनौती थी आर्थिक विकास और ग़रीबी-उन्मूलन के लिए प्रभावी नीतियाँ बनाना।

अतिरिक्त संदर्भ-सामग्री (परीक्षा में अपेक्षित नहीं): पटेल और राष्ट्रीय एकीकरण। सरदार वल्लभभाई पटेल (खेड़ा 1918, बारदोली 1928), प्रथम उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री, "लौह पुरुष", ने लगभग 565 देशी रियासतों का एकीकरण किया; उन्हें हैदराबाद, जूनागढ़ और कश्मीर से मुख्य चुनौतियाँ मिलीं; भारतीय सेना ने हैदराबाद और जूनागढ़ को विलय के लिए विवश किया; उन्हें "राष्ट्रवादी, उत्प्रेरक और यथार्थवादी" के रूप में स्मरण किया जाता है।

8.2 विभाजन: विस्थापन और पुनर्वास ★★★

प्रक्रिया: यह निर्णय हुआ कि ब्रिटिश भारत को दो देशों, भारत और पाकिस्तान, में बाँटा जाएगा; यह **मुस्लिम लीग** द्वारा प्रस्तुत "**द्वि-राष्ट्र सिद्धांत**" के अनुसार था: भारत में एक नहीं, दो "समुदाय" हैं, हिंदू और मुसलमान; इसीलिए उसने पाकिस्तान, मुसलमानों के लिए अलग देश, की माँग की। कांग्रेस ने इस सिद्धांत का विरोध किया, परंतु 1940-47 के बीच कई राजनीतिक घटनाक्रमों (कांग्रेस और मुस्लिम लीग के बीच राजनीतिक प्रतिस्पर्धा तथा ब्रिटिश भूमिका) के कारण पाकिस्तान की माँग स्वीकार कर ली गई। **धार्मिक बहुसंख्या** का सिद्धांत: जिन इलाकों में मुसलमान बहुसंख्यक थे वे पाकिस्तान बनते, शेष भारत के साथ रहते।

विभाजन की समस्याएँ/कठिनाइयाँ:

1. ब्रिटिश भारत में मुस्लिम-बहुल इलाकों की **कोई एक पट्टी नहीं** थी: दो क्षेत्रों में उनका जमाव था, एक पश्चिम में और एक पूर्व में; इसलिए पाकिस्तान को दो भू-भागों, **पश्चिमी और पूर्वी पाकिस्तान**, से मिलकर बनना था, जो भारतीय भू-भाग के एक लंबे विस्तार से अलग थे।
2. **सभी मुस्लिम-बहुल इलाके पाकिस्तान में नहीं जाना चाहते थे:** उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत (NWFP) के निर्विवाद नेता **खान अब्दुल गफ़्फ़ार खान**, जिन्हें "**सीमांत गाँधी**" कहा जाता था, द्वि-राष्ट्र सिद्धांत के दृढ़ विरोधी थे; अंततः उनकी आवाज़ की अनदेखी की गई और NWFP पाकिस्तान में मिला दिया गया।
3. ब्रिटिश भारत के दो मुस्लिम-बहुल प्रांतों, **पंजाब और बंगाल**, में बहुत बड़े इलाके ऐसे थे जहाँ गैर-मुसलमान बहुसंख्यक थे; अंततः इन प्रांतों को ज़िले या उससे भी निचले स्तर पर धार्मिक बहुसंख्या के आधार पर बाँटा गया; यह निर्णय 14-15 अगस्त की मध्यरात्रि तक नहीं हो पाया; स्वतंत्रता दिवस पर अनेक लोगों को पता नहीं था कि वे सीमा के किस ओर हैं।
4. सीमा के दोनों ओर **अल्पसंख्यकों** की समस्या: अब पाकिस्तान में आ चुके इलाकों में लाखों हिंदू और सिख थे और भारतीय हिस्से में उतने ही बड़ी संख्या में मुसलमान; जैसे ही स्पष्ट हुआ कि देश का विभाजन होगा, दोनों ओर के अल्पसंख्यक हमलों के आसान निशाने बन गए; समस्या के पैमाने का अनुमान किसी ने नहीं लगाया था।

विभाजन के परिणाम ★★★

- 1947 मानव-इतिहास के सबसे बड़े, सबसे **आकस्मिक, अनियोजित और त्रासद जनसंख्या-स्थानांतरणों** में से एक का वर्ष था; सीमा के दोनों ओर हत्याएँ और अत्याचार हुए; धर्म के नाम पर एक समुदाय के लोगों ने दूसरे

समुदाय के लोगों को निर्ममता से मारा और अपंग बनाया; लाहौर, अमृतसर और कोलकाता जैसे नगर "सांप्रदायिक इलाकों" में बँट गए।

- **अल्पसंख्यकों** को अपने घर छोड़ने पड़े, अक्सर कुछ ही घंटों की सूचना पर; उन्हें "शरणार्थी शिविरों" में अस्थायी आश्रय लेना पड़ा; स्थानीय प्रशासन और पुलिस प्रायः सहायक नहीं थे।
- **महिलाएँ** सबसे अधिक पीड़ित थीं: उन पर अक्सर हमले हुए, उनका अपहरण हुआ, उनसे बलात्कार हुए और उनकी हत्या की गई; अपहृत महिलाओं को अपहरणकर्ता का धर्म अपनाने पर विवश किया गया; अनेक मामलों में परिवारों ने "परिवार की इज़्ज़त" बचाने के नाम पर अपनी ही महिलाओं की हत्या कर दी।
- विभाजन केवल संपत्तियों, देनदारियों और परिसंपत्तियों का बँटवारा, या देश और प्रशासनिक ढाँचे का राजनीतिक विभाजन नहीं था; **वित्तीय परिसंपत्तियाँ**, तथा मेज़, कुर्सी, टाइपराइटर, पेपर-क्लिप, पुस्तकें और पुलिस बैंड के वाद्य-यंत्र तक बाँटे गए; सरकारी और रेलवे कर्मचारियों का भी "बँटवारा" हुआ। यह उन समुदायों का हिंसक अलगाव भी था जो अब तक पड़ोसियों की तरह साथ रहे थे।
- **अनुमान:** विभाजन ने लगभग **80 लाख लोगों** को नई सीमा के आर-पार पलायन के लिए विवश किया; विभाजन-संबंधी हिंसा में **5 से 10 लाख** लोग मारे गए।
- राजनीतिक परिणाम: भारतीय नेताओं ने हिंदू राज्य नहीं अपनाया; भारत **धर्मनिरपेक्ष** बना रहा और जो मुसलमान रुके वे बराबर के नागरिक थे (नेहरू का मुख्यमंत्रियों को पत्र, 1947)। **गाँधीजी** के दिल्ली में उपवास और कोलकाता में उपस्थिति ने हिंसा घटाने में सहायता की; 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने उनकी हत्या कर दी।

8.3 देशी रियासतों का विलय ★★★

समस्या: ब्रिटिश भारत **ब्रिटिश भारतीय प्रांतों** और **देशी रियासतों** में बँटा था; प्रांत सीधे ब्रिटिश नियंत्रण में थे, जबकि राजाओं द्वारा शासित कई छोटी-बड़ी रियासतें, जब तक वे ब्रिटिश सर्वोच्चता (पैरामाउंटसी) स्वीकार करती थीं, अपने आंतरिक मामलों पर कुछ नियंत्रण रखती थीं; देशी रियासतें ब्रिटिश भारतीय साम्राज्य के **एक-तिहाई** भू-भाग में फैली थीं और चार में से एक भारतीय रियासती शासन में रहता था। स्वतंत्रता से ठीक पहले ब्रिटिश सरकार ने घोषणा की कि उसके शासन की समाप्ति के साथ रियासतों पर **ब्रिटिश सर्वोच्चता** भी समाप्त हो जाएगी: सभी **565 देशी रियासतें** कानूनन भारत या पाकिस्तान में मिलने या **स्वतंत्र रहने** के लिए आज़ाद होंगी। यह बहुत गंभीर समस्या थी और संयुक्त भारत के अस्तित्व को ही खतरे में डाल सकती थी: **त्रावणकोर** के शासक ने स्वतंत्र रहने का निर्णय घोषित किया; **हैदराबाद के निज़ाम** ने अगले दिन वैसी ही घोषणा की; **भोपाल** के नवाब जैसे शासक संविधान सभा में शामिल होने के विरुद्ध थे।

सरकार का दृष्टिकोण: अंतरिम सरकार ने भारत के भिन्न-भिन्न आकार की छोटी रियासतों में बँटने की संभावना के विरुद्ध कड़ा रुख अपनाया; मुस्लिम लीग ने कांग्रेस का विरोध किया और मत रखा कि रियासतों को अपनी पसंद का कोई भी रास्ता अपनाने की स्वतंत्रता हो। भारत के उप-प्रधानमंत्री और गृह मंत्री **सरदार पटेल** ने शासकों से **दृढ़ता परंतु कूटनीति** से बातचीत करने और अधिकांश को भारतीय संघ में लाने में ऐतिहासिक भूमिका निभाई। तीन बातों ने दृष्टिकोण को दिशा दी: (i) अधिकांश रियासतों की जनता स्पष्ट रूप से भारत का हिस्सा बनना चाहती थी; (ii) सरकार कुछ क्षेत्रों को स्वायत्तता देने में लचीला रुख अपनाने को तैयार थी; (iii) विभाजन की पृष्ठभूमि में क्षेत्रीय सीमाओं का एकीकरण और सुदृढ़ीकरण सर्वोपरि हो गया था।

15 अगस्त 1947 से पहले शांतिपूर्ण वार्ताओं से लगभग सभी रियासतें, जिनके भू-भाग नई सीमाओं से सटे थे, संघ में आ गईं; शासकों ने "**विलय-पत्र**" पर हस्ताक्षर किए, जिसका अर्थ था कि उनकी रियासत भारत का हिस्सा बनने को सहमत हैं। **जूनागढ़, हैदराबाद, कश्मीर और मणिपुर** का विलय अधिक कठिन सिद्ध हुआ: जूनागढ़ का नवाब पाकिस्तान चाहता था; **जनमत-संग्रह** के बाद यह भारत में मिला; कश्मीर का मामला (अध्याय 15 देखें)।

हैदराबाद ★★★

हैदराबाद **सबसे बड़ी देशी रियासत** थी, जो पूरी तरह भारतीय भू-भाग से घिरी थी; इसके हिस्से आज तेलंगाना, महाराष्ट्र और कर्नाटक में हैं। इसका शासक **निज़ाम** (मीर उस्मान अली खान) विश्व के सबसे धनी व्यक्तियों में से एक था; वह हैदराबाद के लिए **स्वतंत्र दर्जा** चाहता था। उसने वार्ता चलने तक एक वर्ष के लिए **नवंबर 1947** में भारत के साथ **यथास्थिति समझौता (स्टैंडस्टिल एग्रीमेंट)** किया। इसी बीच हैदराबाद राज्य की **जनता का आंदोलन** निज़ाम के शासन के विरुद्ध ज़ोर पकड़ने लगा; विशेषकर **तेलंगाना** क्षेत्र के किसान, जो निज़ाम के दमनकारी शासन के शिकार थे, उसके विरुद्ध उठ खड़े हुए; इस दमन की सबसे अधिक मार झेल चुकी महिलाएँ बड़ी संख्या में आंदोलन में शामिल हुईं; **कम्युनिस्ट और हैदराबाद कांग्रेस** अग्रणी थे। निज़ाम ने जनता पर **रज़ाकार** नामक अर्धसैनिक बल छोड़ दिया; रज़ाकार अत्यंत सांप्रदायिक और क्रूर थे; उन्होंने हत्याएँ कीं, अपंग बनाया, बलात्कार किए और लूटपाट की, विशेषकर गैर-मुसलमानों को निशाना बनाकर। **सितंबर 1948** में भारतीय

FREE SAMPLE | Buy the complete pack at notesbazar.in | page 4 of 18

सेना निज़ाम की सेना को नियंत्रित करने के लिए आगे बढ़ी (पुलिस कार्रवाई); कुछ दिनों की रुक-रुक कर हुई लड़ाई के बाद निज़ाम ने आत्मसमर्पण कर दिया, जिससे हैदराबाद का भारत में विलय हुआ।

मणिपुर ★★★

स्वतंत्रता से कुछ दिन पहले मणिपुर के महाराजा **बोधचन्द्र सिंह** ने इस आश्वासन पर भारत सरकार के साथ विलय-पत्र पर हस्ताक्षर किए कि मणिपुर की आंतरिक स्वायत्तता बनी रहेगी। जनमत के दबाव में महाराजा ने **जून 1948 में मणिपुर में चुनाव** कराए और राज्य **सांविधानिक राजतंत्र** बन गया: मणिपुर **सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार पर आधारित चुनाव कराने वाला भारत का पहला भाग** था। विधानसभा में भारत में विलय के प्रश्न पर तीखे मतभेद थे: राज्य कांग्रेस विलय चाहती थी जबकि अन्य राजनीतिक दल विरोध में थे। भारत सरकार महाराजा पर दबाव डालकर, लोकप्रिय रूप से निर्वाचित विधानसभा से परामर्श किए बिना, **सितंबर 1949 में विलय समझौते** पर हस्ताक्षर करवाने में सफल रही; इससे मणिपुर में बहुत रोष और असंतोष पैदा हुआ, जिसके प्रभाव आज भी महसूस होते हैं।

8.4 राज्यों का पुनर्गठन ★★★

- राष्ट्र-निर्माण की प्रक्रिया विभाजन और एकीकरण के साथ समाप्त नहीं हुई; चुनौती थी भारतीय राज्यों की **आंतरिक सीमाएँ** इस प्रकार खींचना कि राष्ट्र की एकता प्रभावित हुए बिना देश की भाषायी और सांस्कृतिक बहुलता झलके। औपनिवेशिक शासन में राज्यों की सीमाएँ या तो **प्रशासनिक सुविधा** के आधार पर खींची गई या अंग्रेज़ों द्वारा मिलाए गए अथवा रियासती शक्तियों द्वारा शासित क्षेत्रों से ही मेल खाती थीं।
- राष्ट्रीय आंदोलन ने भाषायी सिद्धांत का वादा किया था: **1920 के कांग्रेस के नागपुर अधिवेशन** के बाद कांग्रेस के अपने पुनर्गठन के आधार के रूप में इस सिद्धांत को मान्यता मिली; भाषायी क्षेत्रों के आधार पर कई प्रांतीय कांग्रेस समितियाँ बनाई गईं। स्वतंत्रता और विभाजन के बाद स्थिति बदली: नेताओं को लगा कि भाषा के आधार पर राज्य बनाने से **अव्यवस्था और विघटन** हो सकता है और अन्य सामाजिक तथा आर्थिक चुनौतियों से ध्यान हट सकता है; इसलिए केंद्रीय नेतृत्व ने इस मामले को टालने का निर्णय लिया।
- **आंध्र आंदोलन:** टालने के निर्णय को स्थानीय नेताओं और जनता ने चुनौती दी: पुराने मद्रास प्रांत (वर्तमान तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश, केरल और कर्नाटक के कुछ भाग) के तेलुगु-भाषी इलाकों में विरोध शुरू हुए; **विशालांध्र आंदोलन** ने माँग की कि तेलुगु-भाषी क्षेत्र अलग किए जाएँ; कांग्रेस नेता और पुराने गाँधीवादी **पोट्टी श्रीरामुलु आमरण अनशन** पर बैठे, जिससे **56 दिन बाद उनकी मृत्यु** हो गई; इससे भारी अशांति और हिंसक घटनाएँ हुईं; अनेक विधायकों ने विरोध में त्यागपत्र दिए; अंततः प्रधानमंत्री ने **दिसंबर 1952 में** पृथक **आंध्र राज्य** के गठन की घोषणा की (यह 1 अक्टूबर 1953 को अस्तित्व में आया)।
- आंध्र के गठन ने अन्य राज्यों को भाषायी आधार पर बनाने के संघर्षों को प्रेरित किया; इन संघर्षों ने केंद्र सरकार को राज्यों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण पर विचार के लिए **1953 में राज्य पुनर्गठन आयोग** (फ़ज़ल अली, के.एम. पणिक्कर, एच.एन. कुंज़रू) नियुक्त करने के लिए विवश किया; आयोग ने अपनी रिपोर्ट (1955) में माना कि राज्य की सीमाएँ **विभिन्न भाषाओं** की सीमाओं को प्रतिबिंबित करें; उसकी रिपोर्ट के आधार पर **1956 में राज्य पुनर्गठन अधिनियम पारित हुआ**, जिससे **14 राज्य और 6 केंद्रशासित प्रदेश** बने।
- **बाद के राज्य:** महाराष्ट्र और गुजरात (1960, बॉम्बे से); पंजाब और हरियाणा (1966); हिमाचल प्रदेश (1971); नागालैंड (1963), मेघालय, मणिपुर और त्रिपुरा (1972), मिज़ोरम और अरुणाचल प्रदेश (1987); सिक्किम (1975); गोवा (1987); 2000 में छत्तीसगढ़ (म.प्र. से), उत्तराखंड (उ.प्र. से) और झारखंड (बिहार से); 2014 में तेलंगाना (आंध्र प्रदेश से)। 2019 में जम्मू और कश्मीर का दो केंद्रशासित प्रदेशों में पुनर्गठन हुआ।
- 1950 के दशक के अनुभव ने दिखाया कि भाषायी राज्यों ने **लोकतंत्र और एकता को मज़बूत** किया: उन्होंने विविधता को स्वीकार किया; विघटन का भय निराधार सिद्ध हुआ।

NCERT अभ्यास, हल सहित ★★★

2. सिद्धांतों का उदाहरणों से मिलान: (a) धार्मिक आधार पर सीमा-निर्धारण (b) विभिन्न भाषाओं के आधार पर (c) देश के भीतर भौगोलिक क्षेत्रों के आधार पर (d) प्रशासनिक और राजनीतिक आधार पर।

> **उत्तर।** (a) भारत और पाकिस्तान (विभाजन); (b) आंध्र प्रदेश और अन्य भाषायी राज्य; (c) हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड (पहाड़ी राज्य); (d) झारखंड और छत्तीसगढ़ (जनजातीय क्षेत्र, प्रशासनिक और राजनीतिक कारणों से बने)।

FREE SAMPLE | Buy the complete pack at notesbazar.in | page 5 of 18

4. बिस्मय: "विलय रियासतों की जनता तक लोकतंत्र का विस्तार था।" इंदरप्रीत: "बल का प्रयोग हुआ; लोकतंत्र सहमति से आता है।" आपकी राय?

उत्तर। दोनों के पास तर्क हैं: विलय ने जनता को निरंकुश रियासती शासन से मुक्त किया और लोकतांत्रिक अधिकार दिए (हैदराबाद की जनता ने निज़ाम के विरुद्ध विद्रोह किया था); परंतु हैदराबाद (सेना की कार्रवाई) और मणिपुर (निर्वाचित विधानसभा से परामर्श के बिना विलय) जैसे मामलों में बल या दबाव का प्रयोग हुआ, जिससे रोष पैदा हुआ। कुल मिलाकर एकीकरण ने लोकतंत्र का विस्तार किया, पर सहमति बनाई जानी चाहिए थी।

5. गाँधी ("काँटों का ताज") और नेहरू ("एक कदम, अवसर का द्वार खुलना"): राष्ट्र-निर्माण का एजेंडा।

उत्तर। गाँधीजी चेताते हैं कि सत्ता के साथ उत्तरदायित्व आता है: शासकों को विनम्र होना, ग़रीबों की सेवा करना और हिंसा समाप्त करना चाहिए; नेहरू स्वतंत्रता को आधुनिक, समृद्ध भारत बनाने का अवसर मानते हैं। एजेंडा: एकता, लोकतंत्र, समानता के साथ विकास और सत्ता में विनम्रता। (किसी का भी, कारण सहित, समर्थन किया जा सकता है।)

6. नेहरू द्वारा भारत को धर्मनिरपेक्ष रखने के कारण।

उत्तर। नेहरू का तर्क था कि भारत में एक बड़ा मुस्लिम अल्पसंख्यक बना रहा है और उसे नागरिक के रूप में सुरक्षा और समान अधिकार मिलने चाहिए; राज्य को धर्म के आधार पर भेदभाव नहीं करना चाहिए। कारण केवल नैतिक और भावनात्मक (स्वतंत्रता आंदोलन के मूल्य) नहीं, **विवेकपूर्ण** भी थे: अल्पसंख्यकों से बुरा व्यवहार नासूर बनकर राजनीतिक जीवन को विषाक्त करता, पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के विरुद्ध प्रतिशोध को न्योता देता और राष्ट्रीय एकता तथा शांति को खतरे में डालता।

7. स्वतंत्रता के समय पूर्वी और पश्चिमी क्षेत्रों में राष्ट्र-निर्माण की चुनौती के दो अंतर।

उत्तर। (i) पश्चिम (पंजाब) में जनसंख्या का स्थानांतरण विशाल, हिंसक और लगभग कुछ महीनों में पूरा हो गया; पूर्व (बंगाल) में पलायन वर्षों चलता रहा, 1947 के बहुत बाद तक शरणार्थी आते रहे। (ii) पूर्व को अपने अनेक जनजातीय और भाषायी समूहों वाले पूर्वोत्तर (असम, मणिपुर, त्रिपुरा) का एकीकरण भी करना था और पूर्वी पाकिस्तान से जुड़ी समस्याएँ बनी रहीं; पश्चिम को कश्मीर विवाद तथा राजस्थान और गुजरात की बड़ी रियासतों के एकीकरण का सामना करना था।

8. राज्य पुनर्गठन आयोग का कार्य और उसकी सबसे महत्त्वपूर्ण सिफ़ारिश।

उत्तर। राज्यों की सीमाओं के पुनर्निर्धारण पर विचार करना; उसने सिफ़ारिश की कि राज्य की सीमाएँ भाषाओं की सीमाओं को प्रतिबिंबित करें, जिससे 1956 का अधिनियम (14 राज्य, 6 केंद्रशासित प्रदेश) बना।

9. "राष्ट्र एक कल्पित समुदाय है जो साझे विश्वासों, इतिहास, राजनीतिक आकांक्षाओं और कल्पनाओं से बँधा है।" भारत को राष्ट्र बनाने वाले लक्षण बताइए।

उत्तर। साझा स्वतंत्रता-संघर्ष और इतिहास, संविधान और लोकतांत्रिक मूल्य, अनेकता में एकता, साझी राजनीतिक आकांक्षाएँ (विकास, समानता), साझी संस्कृति और प्रतीक (ध्वज, राष्ट्रगान), तथा संघवाद और भाषायी राज्यों के द्वारा विविधता को समाहित करना।

परीक्षा के महत्त्वपूर्ण प्रश्न

विलय-पत्र क्या था? 1

उत्तर। वह दस्तावेज़ जिसके द्वारा किसी रियासत का शासक भारत का हिस्सा बनने को सहमत हुआ।

मणिपुर का विलय विवादास्पद क्यों माना जाता है? 2

उत्तर। महाराजा पर दबाव डालकर निर्वाचित विधानसभा से परामर्श किए बिना विलय समझौते (1949) पर हस्ताक्षर करवाए गए, जिससे स्थायी रोष पैदा हुआ।

SAMPLE notesbazar.in

CBSE बोर्ड प्रश्न 2024–2026, पूर्ण हल सहित ★★★

2024 (S9/I-S), 2025 (S9/I, 2, 4-7) और 2026 (S9/I-S) के 16 बोर्ड प्रश्नपत्रों में इस अध्याय से पूछे गए प्रत्येक प्रश्न का, अंकन-योजना और NCERT पर आधारित पूर्ण उत्तर सहित, समावेश। दोहराए गए प्रश्न एक ही बार, सभी प्रश्नपत्र-कोड के साथ दिखाए गए हैं।

बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक)

CBSE 2025 · S9/6/I नीचे दो कथन दिए गए हैं – जिनमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) द्वारा अंकित किया गया है। इन कथनों को ध्यान से पढ़िए और नीचे दिए गए विकल्पों (A), (B), (C) और (D) में से उत्तर के रूप में सही विकल्प चुनिए। **अभिकथन (A) :** आज़ादी प्राप्त करने के बाद पहली चुनौती भारत की एकता को बनाए रखना था। **कारण (R) :** भारत के उप-प्रधान मंत्री एवं गृह मंत्री, सरदार पटेल ने भारत के एकीकरण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। **विकल्प :** (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है। (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या **नहीं** करता है। (C) अभिकथन (A) ग़लत है, परंतु कारण (R) सही है। (D) अभिकथन (A) सही है, परंतु कारण (R) ग़लत है।

> **उत्तर। (A)** बोर्ड की उत्तर-कुंजी के अनुसार: पटेल द्वारा देशी रियासतों के एकीकरण से एकता की चुनौती का सामना हुआ।

CBSE 2025 · S9/6/I किस भाषा के आधार पर आंध्र प्रदेश का निर्माण किया गया था ? (A) तेलुगु (B) मलयालम (C) तमिल (D) कन्नड़

> **उत्तर। (A) तेलुगु।**

CBSE 2026 · S9/I/I निम्नलिखित में से कौन से कारण के फलस्वरूप 1952 में आंध्र राज्य का गठन हुआ ? (A) औपनिवेशिक शासन की समाप्ति के बाद भारतीय राज्यों की आंतरिक सीमाओं के पुनर्निर्धारण की आवश्यकता को महसूस करना। (B) 1920 के नागपुर अधिवेशन में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस ने यह मान लिया था कि आजादी के बाद राज्यों का पुनर्गठन भाषा के आधार पर किया जायेगा। (C) कांग्रेस नेता, पोट्टी श्रीरामुलु की मृत्यु, जिसके कारण व्यापक अव्यवस्था फैली और विरोध में मद्रास के कई विधायकों ने त्यागपत्र दिया। (D) पुराने मद्रास राज्य के तमिल बोलने वाले लोगों ने भाषा के आधार पर राज्य के पुनर्सीमांकन की माँग की।

> **उत्तर। (C)** पोट्टी श्रीरामुलु की पृथक आंध्र राज्य के लिए 56 दिन के उपवास के बाद मृत्यु हो गई; उसके बाद भड़के हिंसक विरोध ने नेहरू को दिसंबर 1952 में आंध्र राज्य के गठन की घोषणा करने के लिए विवश किया।

CBSE 2026 · S9/I/I देसी रियासतों के विषय में निम्नलिखित में से कौन सा कथन असत्य है ? (A) देसी रियासतों पर राजाओं का शासन था। (B) ब्रिटिश राज की समाप्ति के बाद समस्त देसी रियासतों ने भारत में शामिल होना स्वीकार कर लिया था। (C) देसी रियासतों के राजाओं ने ब्रिटिश की सर्वोच्च सत्ता को स्वीकार कर लिया था और इसके अंतर्गत वे अपने राज्य के घरेलू मामलों का शासन चलाते थे। (D) ब्रिटिश सत्ता की समाप्ति के बाद देसी रियासतें भारत या पाकिस्तान में शामिल होने या अपनी स्वतन्त्र हैसियत बनाए रखने के लिए आजाद थीं।

> **उत्तर। (B)** सही नहीं है: लगभग सभी रियासतों ने विलय-पत्र पर हस्ताक्षर किए, परंतु जूनागढ़, हैदराबाद, कश्मीर और मणिपुर कठिन मामले थे, इसलिए सबने एक साथ स्वीकार नहीं किया था।

CBSE 2026 · S9/3/I सूची-I में दिए गए राज्यों का सूची-II में दिए गए उन राज्यों से सही मिलान कीजिए जिनसे अलग करके इन्हें बनाया गया था। नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए : सूची-I : 1. गुजरात 2. हरियाणा 3. मेघालय 4. छत्तीसगढ़ — सूची-II : (i) असम (ii) बॉम्बे (iii) मध्य प्रदेश (iv) पंजाब। कूट : (A) 1-(i), 2-(iii), 3-(iv), 4-(ii) (B) 1-(ii), 2-(iv), 3-(i), 4-(iii) (C) 1-(iii), 2-(iv), 3-(i), 4-(ii) (D) 1-(ii), 2-(i), 3-(iv), 4-(iii)

> **उत्तर। (B) 1-(ii), 2-(iv), 3-(i), 4-(iii):** गुजरात बॉम्बे से (1960), हरियाणा पंजाब से (1966), मेघालय असम से (1972), छत्तीसगढ़ मध्य प्रदेश से (2000)।

CBSE 2026 · S9/3/I 1953 में राज्य पुनर्गठन आयोग को किस लिए नियुक्त किया गया था ? (A) प्रशासनिक कार्यकुशलता को सुनिश्चित करने के लिए (B) औपनिवेशिक शासन के दौरान निर्धारित प्रांतों की सीमाओं से संबंधित जटिलताओं को समाप्त करने के लिए (C) राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया को सुनिश्चित करने के लिए (D) भाषा के आधार पर राज्यों की सीमाओं का सीमांकन करने के लिए

> **उत्तर। (D)** आंध्र आंदोलन के बाद गठित राज्य पुनर्गठन आयोग (फ़ज़ल अली, के.एम. पणिक्कर, एच.एन. कुंज़रू) ने सिफ़ारिश की कि राज्यों की सीमाएँ भाषाओं की सीमाओं को प्रतिबिंबित करें; राज्य पुनर्गठन अधिनियम 1956 ने 14 राज्य और 6 केंद्रशासित प्रदेश बनाए।

CBSE 2026 · S9/4/I कॉलम 'A' में दिए गए नेताओं के नामों का कॉलम 'B' में दर्ज तथ्यों से सही मिलान कीजिए। कॉलम A : 1. सरदार वल्लभभाई पटेल 2. बोधचन्द्र सिंह 3. पोट्टी श्रीरामुलु 4. जवाहरलाल नेहरू — कॉलम B : (i) ट्रिस्ट विद डेस्टिनी (ii) प्रथम उप-प्रधानमंत्री (iii) विशाल-आन्ध्र आन्दोलन (iv) एक देशी रियासत के राजा। विकल्प : (A) 1-(iii), 2-(iv), 3-(ii), 4-(i) (B) 1-(ii), 2-(iv), 3-(iii), 4-(i) (C) 1-(ii), 2-(iii), 3-(iv), 4-(i) (D) 1-(iv), 2-(iii), 3-(i), 4-(ii)

> **उत्तर। (B) 1-(ii), 2-(iv), 3-(iii), 4-(i):** पटेल प्रथम उप-प्रधानमंत्री थे; बोधचन्द्र सिंह मणिपुर के महाराजा थे जिन्होंने विलय-पत्र पर हस्ताक्षर किए (1949); पोट्टी श्रीरामुलु ने पृथक आंध्र के लिए उपवास किया (विशालांध्र आंदोलन); नेहरू का "ट्रिस्ट विद डेस्टिनी" भाषण।

CBSE 2026 · S9/4/I नीचे दो कथन दिए गए हैं : **कथन I :** औपनिवेशिक काल में राज्यों (प्रांतों) की सीमाओं का प्रशासनिक सुविधा के आधार पर सीमांकन किया गया था। **कथन II :** स्वतंत्रता के बाद प्रांतीय सीमाओं का पुनःनिर्धारण भिन्न भाषाओं पर आधारित था। उपर्युक्त दिए गए कथनों के आलोक में, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनिए : (A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं। (B) कथन I और कथन II दोनों ग़लत हैं। (C) कथन I सही है, परंतु कथन II ग़लत है। (D) कथन I ग़लत है, परंतु कथन II सही है।

> **उत्तर। (A) दोनों सही हैं।** औपनिवेशिक प्रांत प्रशासनिक सुविधा या रियासतों के क्षेत्र के अनुसार बने थे; 1956 (राज्य पुनर्गठन आयोग) के बाद अधिकांश राज्यों का पुनर्गठन भाषायी आधार पर हुआ।

CBSE 2026 · S9/5/I निम्नलिखित में से किसने 'द्वि-राष्ट्र के सिद्धांत' को प्रस्तुत किया था ? (A) ब्रिटिश सरकार (B) मुस्लिम लीग (C) खान अब्दुल गफ्फार खान (D) लॉर्ड माउंटबेटन

> **उत्तर। (B) मुस्लिम लीग:** उसका तर्क था कि भारत में एक नहीं, दो "समुदाय" हैं, हिंदू और मुसलमान।

CBSE 2026 · S9/S/I नीचे दो कथन दिए गए हैं – जिनमें एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) द्वारा अंकित किया गया है। इन कथनों को ध्यान से पढ़िए और नीचे दिए गए विकल्पों (A), (B), (C) और (D) में से उत्तर के रूप में सही विकल्प चुनिए। **अभिकथन (A) :** 1947 में भारत की सीमा के दोनों तरफ हत्याएँ और अत्याचार हुए। **कारण (R) :** जनसंख्या का नियोजित स्थानांतरण असफल हो चुका था। **विकल्प :** (A) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या करता है। (B) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, परंतु कारण (R), अभिकथन (A) की सही व्याख्या **नहीं** करता है। (C) अभिकथन (A) सही है, परंतु कारण (R) ग़लत है। (D) अभिकथन (A) ग़लत है, परंतु कारण (R) सही है। 1

> **उत्तर। (C)** अभिकथन (A) सही है; कारण (R) ग़लत है: जनसंख्या का कोई नियोजित स्थानांतरण था ही नहीं; विभाजन अचानक और अनियोजित था, और पलायन अप्रत्याशित तथा अव्यवस्थित था।

CBSE 2024 · S9/S/I निम्नलिखित में से भारत की कौन सी एक देसी रियासत ने शुरुआत में भारतीय संघ में शामिल होने का विरोध किया था ? (A) बड़ौदा (B) हैदराबाद (C) मैसूर (D) ग्वालियर 1

> **उत्तर। (B) हैदराबाद:** निज़ाम स्वतंत्र रहना चाहता था; सितंबर 1948 की पुलिस कार्रवाई के बाद यह भारत में मिला।

CBSE 2024 · S9/S/I उस राज्य का नाम लिखिए जिसमें से छत्तीसगढ़ को बनाया गया था। (A) उत्तर प्रदेश (B) बिहार (C) झारखण्ड (D) मध्य प्रदेश 1

> **उत्तर। (D) मध्य प्रदेश** (2000)।

लघु उत्तरीय प्रश्न (2 अंक)

CBSE 2025 · S9/I/I स्वतंत्रता के बाद प्राप्त हुए उन दो लक्ष्यों की व्याख्या कीजिए जिन पर राष्ट्रीय आन्दोलन के दौरान व्यापक सहमति थी। 2

> **उत्तर।** (i) **लोकतंत्र :** भारत का शासन लोकतांत्रिक सरकार द्वारा चलाया जाएगा, जिसमें सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार और नियमित, स्वतंत्र चुनाव होंगे। (ii) **समानता और सामाजिक न्याय :** सरकार सबके कल्याण के लिए, विशेषकर ग़रीबों और सामाजिक रूप से वंचित समूहों के लिए, धर्म, जाति या लिंग के भेदभाव के बिना काम करेगी; दोनों बातें संविधान में दर्ज की गईं।

CBSE 2025 · S9/S/I मुस्लिम लीग द्वारा प्रस्तुत 'द्वि-राष्ट्र सिद्धान्त' की व्याख्या कीजिए। 2

> **उत्तर।** मुस्लिम लीग का तर्क था कि भारत में एक नहीं, **दो "समुदाय"** हैं, हिंदू और मुसलमान, जिनके धर्म, संस्कृति और परंपराएँ भिन्न हैं; इसलिए मुसलमानों को **अलग मातृभूमि, पाकिस्तान**, चाहिए। कांग्रेस ने इसका विरोध किया, परंतु 1940 के दशक के राजनीतिक घटनाक्रम, सांप्रदायिक संघर्ष और ब्रिटिश वापसी से इसी आधार पर विभाजन हुआ।

प्रश्न (4 अंक): दीर्घ उत्तर, गद्यांश और कार्टून

CBSE 2025 · S9/6/I विभाजन के समय देश के कुछ भागों में सांप्रदायिक तनाव और हिंसा को कम करने में महात्मा गाँधी की भूमिका को स्पष्ट कीजिए। 4

> **उत्तर।** (i) 15 अगस्त 1947 को गाँधीजी **कोलकाता** में थे, उत्सव मनाने के बजाय दंगाग्रस्त इलाकों में गए और हिंदुओं तथा मुसलमानों को हिंसा त्यागने के लिए मनाया; उनकी उपस्थिति से स्थिति में बहुत सुधार हुआ। (ii) सांप्रदायिक सद्भाव के लिए उन्होंने दिल्ली में **आमरण अनशन** (जनवरी 1948) किया; इसका नाटकीय प्रभाव पड़ा: सांप्रदायिक तनाव घटा और दिल्ली के मुसलमानों सहित अनेक लोग सुरक्षित अपने घर लौट सके। (iii) उन्होंने आग्रह किया कि **मुसलमानों को भारत में सम्मान के साथ रहने दिया जाए**, बराबर के नागरिक के रूप में, और भारत पाकिस्तान को उसके हिस्से के 55 करोड़ रुपये दे, जिसे सरकार ने मान लिया। (iv) उनके प्रयासों से उग्रवादी नाराज़ हुए; 30 जनवरी 1948 को **नाथूराम गोडसे** ने उनकी हत्या कर दी, जिससे देश स्तब्ध रह गया और सांप्रदायिक संगठनों पर प्रतिबंध लगा; सांप्रदायिक हिंसा घटी।

CBSE 2026 · S9/1/1 नीचे दिए गए कार्टून का अध्ययन कीजिए और इस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर दीजिए :



CBSE 2026 · S9/1/1, प्रश्न 25 का कार्टून (हिंदी प्रश्न-पत्र से)

(i) कार्टून में राजा से बात कर रहे नेता का नाम लिखिए। (ii) एक गरीब आदमी की पीठ पर बैठा शासक क्या दर्शाता है ? (iii) कार्टून द्वारा क्या संदेश दिया गया है ? [दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए : (i) 14-15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को जवाहर लाल नेहरू द्वारा दिए गये भाषण का नाम लिखिए। (ii) भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री का नाम लिखिए। (iii) द्वि-राष्ट्र के सिद्धान्त की व्याख्या कीजिए।] 4

उत्तर। (i) **सरदार वल्लभभाई पटेल।** (ii) रियासतों के शासक अपनी रियासतों की आम, ग़रीब जनता के श्रम पर जीते थे और उसे दबाते थे। (iii) पटेल ने राजाओं को **विलय-पत्र** पर हस्ताक्षर करने के लिए मनाया (और जहाँ आवश्यक हुआ, दबाव डाला), जिससे जनता राजसी शासन से मुक्त हुई और देश एकजुट हुआ। **दृष्टिबाधित :** (i) "ट्रिस्ट विद डेस्टिनी"; (ii) सरदार वल्लभभाई पटेल; (iii) मुस्लिम लीग का सिद्धांत कि भारत में दो "समुदाय" हैं, हिंदू और मुसलमान, इसलिए मुसलमानों के लिए अलग देश (पाकिस्तान) आवश्यक है।

CBSE 2026 · S9/3/1 औपनिवेशिक शासन की समाप्ति के पश्चात् भाषा के आधार पर राज्यों के पुनर्गठन से संबंधित भारत सरकार की किन्हीं दो मुख्य चिंताओं की व्याख्या कीजिए। 4

उत्तर। (i) राष्ट्रीय नेतृत्व को भय था कि भाषा के आधार पर राज्य बनाने से, विशेषकर धर्म के आधार पर हुए विभाजन के बाद, **देश में अव्यवस्था और विघटन** हो सकता है। (ii) इससे नए राष्ट्र के सामने खड़ी **अन्य सामाजिक और आर्थिक चुनौतियों (विकास, शरणार्थी, सुरक्षा) से ध्यान हट** सकता है। इसलिए नेताओं ने इसे टाल दिया, जब तक आंध्र आंदोलन (पोट्टी श्रीरामुलु) ने उन्हें विवश नहीं कर दिया; बाद में भाषायी राज्यों ने लोकतंत्र और राष्ट्रीय एकता को वस्तुतः मज़बूत किया।

CBSE 2026 · S9/4/1 (क) ब्रिटिश इंडिया के विभाजन के किन्हीं चार परिणामों का वर्णन कीजिए। **अथवा** (ख) ब्रिटिश इंडिया के विभाजन की प्रक्रिया की किन्हीं चार समस्याओं का वर्णन कीजिए। 4

उत्तर। **(क)** (i) इतिहास में **जनसंख्या का सबसे बड़ा स्थानांतरण**: लगभग 80 लाख लोग नई सीमा के आर-पार गए। (ii) **सांप्रदायिक हिंसा :** 5 से 10 लाख लोग मारे गए; दोनों ओर अल्पसंख्यकों पर हमले हुए। (iii) **महिलाओं** का अपहरण हुआ, उनसे बलात्कार हुए और उनका जबरन धर्मांतरण कराया गया; "इज़्ज़त" के नाम पर परिवारों ने अपनी ही महिलाओं की हत्या की। (iv) **संपत्ति और परिसंपत्तियों का बँटवारा**: सरकारी कर्मचारी, रेलवे, सेना, ऋण; शरणार्थियों का पुनर्वास करना पड़ा (शिविर, नए नगर)। **(ख)** (i) मुस्लिम-बहुल क्षेत्रों की कोई एक पट्टी नहीं थी; पाकिस्तान को **दो भागों**, पश्चिमी और पूर्वी, में बनना पड़ा। (ii) सभी मुस्लिम-बहुल इलाके पाकिस्तान में नहीं जाना चाहते थे: खान अब्दुल गफ़्फ़ार खान के नेतृत्व में **उत्तर-पश्चिमी सीमांत**

प्रांत ने इसका विरोध किया। (iii) **पंजाब और बंगाल** में गैर-मुसलमानों की बड़ी आबादी थी, इसलिए उन्हें ज़िला-दर-ज़िला बाँटना पड़ा। (iv) दोनों ओर के **अल्पसंख्यकों** की समस्या: लाखों लोग फँसे थे, उन्हें पता नहीं था कि कहाँ जाएँ, और उन्हें हिंसा झेलनी पड़ी।

CBSE 2024 · S9/S/1 निम्नलिखित अवतरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : भारत के छोटे-बड़े विभिन्न आकार के देशों में बँट जाने की संभावना के विरुद्ध अंतरिम सरकार ने कड़ा रुख अपनाया। मुस्लिम लीग ने भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के इस कदम का विरोध किया। मुस्लिम लीग का मानना था कि रजवाड़ों को अपनी मनमर्जी का रास्ता चुनने के लिए छोड़ दिया जाना चाहिए। रजवाड़ों के शासकों को मनाने-समझाने में सरदार पटेल ने ऐतिहासिक भूमिका निभाई और अधिकतर रजवाड़ों को उन्होंने भारतीय संघ में शामिल होने के लिए राजी कर लिया। (24.1) 1947 में ब्रिटिश इण्डिया के विभाजन के समय किस सिद्धांत का पालन किया गया था ? (A) प्रशासनिक नियन्त्रण का सिद्धांत (B) जातीय संरचना का सिद्धांत (C) धार्मिक बहुसंख्या का सिद्धांत (D) समानता का सिद्धांत (24.2) स्वतंत्र भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री कौन थे ? (A) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर (B) सरदार पटेल (C) वी.के. मेनन (D) खान अब्दुल गफ्फार खान (24.3) स्वतंत्रता के समय ब्रिटिश इण्डिया में कितनी देसी रियासतें थीं ? (A) 556 (B) 566 (C) 655 (D) 565 (24.4) देसी रियासतों के बारे में इनमें से कौन सा कथन गलत है ? (A) भारत सरकार कुछ क्षेत्रों को स्वायत्तता देने के लिए तैयार थी। (B) जूनागढ़ के शासक ने स्वतंत्र भारत का हिस्सा बनने का फैसला किया था। (C) देसी रियासतें ब्रिटिश भारतीय साम्राज्य के एक तिहाई भाग में कायम थीं। (D) कुछ रियासतें स्पष्ट रूप से भारतीय संघ का हिस्सा बनना चाहती थीं। 4

उत्तर। (24.1) **(C)** धार्मिक बहुसंख्या। (24.2) **(B) सरदार पटेल।** (24.3) **(D) 565।** (24.4) **(B)** सही नहीं है: जूनागढ़ का नवाब पाकिस्तान में शामिल होना चाहता था; बाद में जनमत-संग्रह ने भारत में शामिल होने की जनता की इच्छा की पुष्टि की।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (6 अंक)

CBSE 2025 · S9/2/1 (क) उन किन्हीं तीन परिस्थितियों का वर्णन कीजिए जिनके अन्तर्गत राज्य पुनर्गठन आयोग का गठन किया गया था। **अथवा** (ख) 1949 में मणिपुर के भारत में विलय के लिए उत्तरदायी परिस्थितियों तथा संबंधित घटनाओं का वर्णन कीजिए। 6

उत्तर। (क) (i) स्वतंत्रता के बाद चुनौती थी **आंतरिक सीमाएँ खींचना**, ताकि राष्ट्रीय एकता को प्रभावित किए बिना देश की भाषायी और सांस्कृतिक बहुलता झलके; औपनिवेशिक सीमाएँ प्रशासनिक सुविधा के लिए खींची गई थीं। (ii) राष्ट्रीय आंदोलन (कांग्रेस, 1920 का नागपुर अधिवेशन) ने **भाषायी राज्यों का वादा** किया था, परंतु विभाजन के बाद नेताओं को भय हुआ कि भाषायी विभाजन अलगाववाद को जन्म दे सकता है, इसलिए उन्होंने इसे टाल दिया। (iii) तेलुगु-भाषी क्षेत्रों में **विशालांध्र की माँग को लेकर प्रदर्शन**; 56 दिन के उपवास के बाद **पोट्टी श्रीरामुलु की मृत्यु** से हिंसक प्रदर्शन हुए और दिसंबर 1952 में आंध्र राज्य की घोषणा हुई; इससे अन्यत्र भी ऐसी माँगें उठीं, इसलिए 1953 में आयोग नियुक्त हुआ (रिपोर्ट 1955; अधिनियम 1956)। **(ख)** (i) स्वतंत्रता से कुछ दिन पहले **मणिपुर के महाराजा बोधचन्द्र सिंह** ने इस आश्वासन पर विलय-पत्र पर हस्ताक्षर किए कि मणिपुर की आंतरिक स्वायत्तता बनी रहेगी। (ii) जनमत के दबाव में उन्होंने सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के आधार पर **जून 1948 में चुनाव** कराए और मणिपुर **सांविधानिक राजतंत्र** बन गया: सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार पर चुनाव कराने वाला भारत का पहला भाग। (iii) विधानसभा में तीखे मतभेद थे: राज्य कांग्रेस भारत में विलय चाहती थी, अन्य दल विरोध में थे। (iv) भारत सरकार ने महाराजा पर दबाव डालकर निर्वाचित विधानसभा से परामर्श किए बिना **सितंबर 1949 में विलय समझौते** पर हस्ताक्षर करवाए; इससे मणिपुर में जो रोष पैदा हुआ, वह आज भी महसूस होता है।

CBSE 2025 · S9/4/I (क) ब्रिटिश इंडिया के विभाजन के किन्हीं चार परिणामों का वर्णन कीजिए। **अथवा** (ख) विलय से पूर्व हैदराबाद रियासत से संबंधित किन्हीं चार घटनाओं का वर्णन कीजिए। 6

उत्तर। (क) (i) इतिहास का सबसे **आकस्मिक, अनियोजित और त्रासद जनसंख्या-स्थानांतरण**: लगभग 80 लाख लोग सीमा पार गए। (ii) **हिंसा** : सांप्रदायिक दंगों में 5 से 10 लाख लोग मारे गए; नगर प्रत्येक समुदाय के "इलाकों" में बँट गए। (iii) **महिलाएँ** निशाना बनीं: लगभग 68,000 का अपहरण हुआ, उनसे बलात्कार हुए और उनका जबरन धर्मांतरण कराया गया; "इज़्ज़त" के नाम पर परिवारों ने अपनी ही महिलाओं की हत्या की। (iv) **परिसंपत्तियों और देनदारियों का बँटवारा**: वित्तीय परिसंपत्तियाँ, सरकारी कर्मचारी, रेलवे और सेना बाँटे गए; समुदायों के बीच घृणा बढ़ी और इस त्रासदी ने गहरे घाव छोड़े। **(ख)** (i) हैदराबाद सबसे बड़ी रियासत थी, जिस पर **निज़ाम** (विश्व के सबसे धनी लोगों में से एक) का शासन था; वह **स्वतंत्र** रहना चाहता था और नवंबर 1947 में उसने यथास्थिति समझौते पर हस्ताक्षर किए। (ii) उसके दमनकारी शासन के विरुद्ध **जन-आंदोलन** बढ़ा, जिसका नेतृत्व कम्युनिस्टों और हैदराबाद कांग्रेस ने किया; विशेषकर **तेलंगाना** के किसान और महिलाएँ इसमें शामिल थीं। (iii) निज़ाम ने **रज़ाकारों** को छोड़ा, एक अर्धसैनिक बल जिसने हत्या, बलात्कार और लूटपाट की और विशेष रूप से गैर-मुसलमानों को निशाना बनाया। (iv) **सितंबर 1948** में भारतीय सेना ने कार्रवाई की (ऑपरेशन पोलो); कुछ दिनों के बाद निज़ाम ने आत्मसमर्पण कर दिया और हैदराबाद का भारत में विलय हो गया।

CBSE 2025 · S9/7/I (क) राज्य पुनर्गठन आयोग की स्थापना के दो कारण तथा नए राज्यों के गठन का आधार स्पष्ट कीजिए। **अथवा** (ख) स्वतंत्रता के समय भारत के सामने आई तीन चुनौतियों को स्पष्ट कीजिए। 6

उत्तर। (क) (i) स्वतंत्रता के बाद चुनौती थी **आंतरिक सीमाएँ खींचना**, ताकि राष्ट्रीय एकता को प्रभावित किए बिना देश की भाषायी और सांस्कृतिक बहुलता झलके। (ii) **औपनिवेशिक सीमाएँ** प्रशासनिक सुविधा के लिए खींची गई थीं या रियासतों का अनुसरण करती थीं, भाषा का नहीं; राष्ट्रीय आंदोलन ने भाषायी राज्यों का वादा किया था; **आंध्र आंदोलन** और पोट्टी श्रीरामुलु की मृत्यु (1952) के बाद सर्वत्र ऐसी माँगें उठीं, इसलिए 1953 में आयोग बनाया गया। **आधार** : उसकी रिपोर्ट (1955) ने माना कि राज्यों की सीमाएँ **भाषाओं** की सीमाओं को प्रतिबिंबित करें; **राज्य पुनर्गठन अधिनियम (1956)** ने **14 राज्य और 6 केंद्रशासित प्रदेश** बनाए। **(ख)** (i) **एकजुट राष्ट्र का निर्माण**, जो विविधता को भी समाहित करे: अनेक भाषाएँ, संस्कृतियाँ और धर्म; विभाजन के बाद एकता सबसे पहली चिंता थी। (ii) **लोकतंत्र की स्थापना**: संसदीय प्रणाली पर आधारित प्रतिनिधिमूलक लोकतंत्र को, मौलिक अधिकारों और सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के साथ, कारगर बनाना था। (iii) **संपूर्ण समाज का विकास और कल्याण** सुनिश्चित करना, केवल कुछ वर्गों का नहीं: समानता, सामाजिक न्याय, ग़रीबी और बेरोज़गारी का उन्मूलन (नीति-निर्देशक सिद्धांत)।

CBSE 2026 · S9/2/I (क) देसी रियासतों ने किस प्रकार भारत की राष्ट्रीय एकता के लिए खतरा पैदा किया ? स्पष्ट कीजिए। **अथवा** (ख) भारत के विभाजन के दौरान सामने आई किन्हीं चार समस्याओं की व्याख्या कीजिए। 6

उत्तर। (क) (i) ब्रिटिश भारत के दो भाग थे: प्रांत और लगभग 565 **देशी रियासतें**, जो भू-भाग के एक-तिहाई और 28% जनसंख्या में फैली थीं; स्वतंत्रता पर ब्रिटिश सर्वोच्चता समाप्त हो गई और राजा **कानूनन भारत या पाकिस्तान में मिलने या स्वतंत्र रहने के लिए स्वतंत्र** थे। (ii) **त्रावणकोर, हैदराबाद और भोपाल** के शासकों ने स्वतंत्र रहने की घोषणा की; इससे भारत के अनेक छोटे देशों में बँट जाने का खतरा पैदा हुआ। (iii) **जूनागढ़, हैदराबाद, कश्मीर और मणिपुर** के राजाओं ने विशेष कठिनाइयाँ खड़ी कीं; हैदराबाद के निज़ाम को रज़ाकारों का समर्थन था, कश्मीर पर पाकिस्तान-समर्थित हमलावरों ने आक्रमण किया। पटेल की दृढ़ कूटनीति और विलय-पत्र से अधिकांश मामले सुलझ गए। **(ख)** (i) मुस्लिम-बहुल क्षेत्रों की **कोई एक पट्टी नहीं** थी: पश्चिम और पूर्व में दो क्षेत्र थे, इसलिए पाकिस्तान दो भागों में बँटा। (ii) सभी मुस्लिम-बहुल इलाके पाकिस्तान में शामिल नहीं होना चाहते थे, जैसे खान अब्दुल गफ़्फ़ार खान के नेतृत्व वाला **उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत**। (iii)

FREE SAMPLE | Buy the complete pack at notesbazar.in | page 12 of 18

पंजाब और बंगाल में गैर-मुसलमानों की बहुत बड़ी आबादी थी, इसलिए उन्हें ज़िला-दर-ज़िला बाँटना पड़ा। (iv) दोनों ओर **अल्पसंख्यकों** की समस्या: भारी हिंसा, लगभग 80 लाख लोग विस्थापित, 5–10 लाख मारे गए, महिलाओं का अपहरण और जबरन धर्मांतरण; संपत्ति, कर्मचारियों और परिसंपत्तियों का बँटवारा।

CBSE 2024 · S9/1/1 (क) स्वतंत्रता के तुरंत पश्चात् स्वतंत्र भारत के समक्ष आईं किन्हीं तीन प्रमुख चुनौतियों का वर्णन कीजिए। **अथवा** (ख) 1947 में विभाजन के समय भारत के कई भागों में उत्पन्न साम्प्रदायिक हिंसा को कम करने के लिए, महात्मा गाँधी के योगदान का वर्णन कीजिए। 6

उत्तर। (क) (i) **एकजुट राष्ट्र का निर्माण** जो विविधता को समाहित करे: अनेक भाषाएँ, संस्कृतियाँ और धर्म; विभाजन और लगभग 565 देशी रियासतों के एकीकरण ने एकता को पहली चिंता बना दिया। (ii) **लोकतंत्र की स्थापना**: एक ग़रीब, अधिकांशतः निरक्षर देश में मौलिक अधिकारों और सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार वाली संसदीय प्रणाली को कारगर बनाना। (iii) **संपूर्ण समाज का विकास और कल्याण**: ग़रीबी, बेरोज़गारी और असमानता का उन्मूलन (नीति-निर्देशक सिद्धांत), सामाजिक न्याय के साथ आर्थिक वृद्धि की योजना। **(ख)** (i) स्वतंत्रता दिवस पर गाँधीजी **कोलकाता** में थे, दंगाग्रस्त इलाकों के बीच, हिंदुओं और मुसलमानों को हिंसा छोड़ने के लिए मना रहे थे; उनकी उपस्थिति ने नगर को शांत किया। (ii) दिल्ली में उन्होंने सांप्रदायिक हिंसा रोकने के लिए **आमरण अनशन** (जनवरी 1948) किया; इसका नाटकीय प्रभाव पड़ा: तनाव घटा और मुसलमान सुरक्षित अपने घर लौट सके। (iii) उन्होंने आग्रह किया कि भारत **मुसलमानों को बराबर के नागरिक** के रूप में संरक्षण दे और सरकार पर पाकिस्तान को उसका हिस्सा चुकाने के लिए ज़ोर डाला; इससे उग्रवादी नाराज़ हुए और 30 जनवरी 1948 को नाथूराम गोडसे ने उनकी हत्या कर दी; इस आघात से सांप्रदायिक संगठनों पर प्रतिबंध लगा और सांप्रदायिक हिंसा घटी।

CBSE 2024 · S9/2/1 (क) भारतीय संघ में सभी देसी रियासतों का विलय करवाने में भारत के सामने आई कठिनाइयों का वर्णन कीजिए। **अथवा** (ख) हैदराबाद रियासत को भारतीय संघ में विलय की ओर ले जाने वाले घटनाक्रम का वर्णन कीजिए। 6

उत्तर। (क) (i) स्वतंत्रता पर ब्रिटिश सर्वोच्चता समाप्त हो गई; लगभग **565 देशी रियासतें** कानूनन भारत या पाकिस्तान में मिलने या **स्वतंत्र रहने** के लिए आज़ाद थीं; यह बहुत गंभीर समस्या थी जो भारत को अनेक छोटे देशों में बाँट सकती थी। (ii) **त्रावणकोर, हैदराबाद और भोपाल** के शासकों ने स्वतंत्र रहने की इच्छा घोषित की; अन्य ने देर की। (iii) **विशेष मामले**: जूनागढ़ (हिंदू-बहुल रियासत के मुस्लिम शासक ने पाकिस्तान में मिलना चाहा; जनमत-संग्रह ने भारत में विलय की पुष्टि की), **हैदराबाद** (निज़ाम स्वतंत्रता चाहता था; रज़ाकारों ने जनता को आतंकित किया; 1948 में सैन्य कार्रवाई), **कश्मीर** (शासक स्वतंत्र रहना चाहता था, जब तक पाकिस्तान-समर्थित आक्रमण नहीं हुआ; तब उसने विलय किया) और **मणिपुर** (1949 में निर्वाचित विधानसभा से परामर्श किए बिना विलय)। (iv) सरकार (पटेल, वी.पी. मेनन के साथ) ने **मनाने और दृढ़ता** का सहारा लिया: विलय-पत्र, स्वायत्तता और प्रिवी पर्स की गारंटी, जिससे अधिकांश रियासतें शांतिपूर्वक मिल गईं। **(ख)** (i) सबसे बड़ी रियासत हैदराबाद पर **निज़ाम** का शासन था, जो स्वतंत्र रहना चाहता था और वार्ता चलने तक एक वर्ष के लिए **यथास्थिति समझौते** (नवंबर 1947) पर हस्ताक्षर किए। (ii) निज़ाम के दमनकारी शासन के विरुद्ध **जन-आंदोलन** बढ़ा, विशेषकर **तेलंगाना** के किसानों में, जिसका नेतृत्व कम्युनिस्टों और हैदराबाद कांग्रेस ने किया; महिलाएँ भी बड़ी संख्या में शामिल हुईं। (iii) निज़ाम ने **रज़ाकारों** को छोड़ा, एक अर्धसैनिक बल जिसने हत्या, बलात्कार और लूटपाट की और विशेष रूप से गैर-मुसलमानों को निशाना बनाया। (iv) **सितंबर 1948** में भारतीय सेना ने कार्रवाई की (ऑपरेशन पोलो); कुछ दिनों की लड़ाई के बाद निज़ाम ने आत्मसमर्पण कर दिया और हैदराबाद का भारत में विलय हो गया।

FREE SAMPLE | Buy the complete pack at notesbazar.in | page 13 of 18

CBSE 2024 · S9/3/I (क) 1947 में स्वतंत्रता के समय भारत के समक्ष आईं किन्हीं तीन मुख्य चुनौतियों का वर्णन कीजिए। **अथवा** (ख) 1947 में ब्रिटिश इन्डिया के विभाजन की प्रक्रिया में आईं किन्हीं तीन प्रमुख कठिनाइयों का वर्णन कीजिए। 6

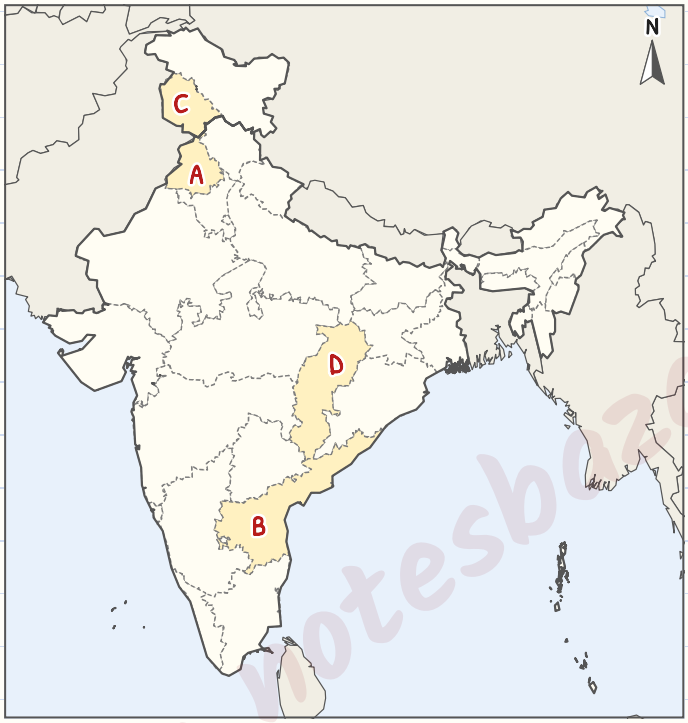
उत्तर। (क) (i) **राष्ट्र का निर्माण**, जो एकजुट हो पर विविधता को भी समाहित करे: अनेक भाषाएँ, संस्कृतियाँ और धर्म; विभाजन और लगभग 565 देशी रियासतों ने एकता और अखंडता को तात्कालिक चिंता बना दिया। (ii) **लोकतंत्र की स्थापना**: मौलिक अधिकारों और सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार वाले प्रतिनिधिमूलक, संसदीय लोकतंत्र को कारगर बनाना था। (iii) **संपूर्ण समाज का विकास और कल्याण**: ग़रीबी और असमानता का उन्मूलन तथा कमज़ोर वर्गों के लिए सामाजिक न्याय सुनिश्चित करना (नीति-निर्देशक सिद्धांत)। **(ख)** (i) **मुस्लिम-बहुल क्षेत्रों की कोई एक पट्टी नहीं थी**: एक पश्चिम में और एक पूर्व में, इसलिए पाकिस्तान को भारत के लंबे भू-भाग से अलग दो हिस्सों (पश्चिमी और पूर्वी पाकिस्तान) से बनना पड़ा। (ii) **सभी मुस्लिम-बहुल इलाके पाकिस्तान नहीं चाहते थे**: उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत के "सीमांत गाँधी" खान अब्दुल गफ़्फ़ार खान ने द्वि-राष्ट्र सिद्धांत का विरोध किया, पर उनकी आवाज़ अनसुनी कर दी गई। (iii) **पंजाब और बंगाल** में गैर-मुसलमानों की बहुत बड़ी आबादी थी, इसलिए इन्हें ज़िला या उससे भी निचले स्तर पर बाँटा गया; और (iv) **दोनों ओर अल्पसंख्यकों** की समस्या: पाकिस्तान में लाखों हिंदू और सिख तथा भारत में मुसलमान फँस गए, जिससे हिंसा और पलायन हुआ।

CBSE 2024 · S9/4/I (क) 1947 में ब्रिटिश इण्डिया के विभाजन के किन्हीं चार परिणामों का वर्णन कीजिए। **अथवा** (ख) ब्रिटिश इण्डिया के विभाजन की प्रक्रिया के दौरान सामने आईं किन्हीं तीन समस्याओं का वर्णन कीजिए। 6

उत्तर। (क) (i) इतिहास में **जनसंख्या का सबसे बड़ा, सबसे आकस्मिक और अनियोजित स्थानांतरण**: लगभग 80 लाख लोगों का पलायन। (ii) **सांप्रदायिक हिंसा**: 5 से 10 लाख मारे गए; नगर सांप्रदायिक इलाकों में बँट गए; शरणार्थी शिविरों में रहे। (iii) **महिलाओं** का अपहरण हुआ, उनसे बलात्कार हुए और उनका जबरन धर्मांतरण कराया गया; "इज़्ज़त" के नाम पर परिवारों ने अपनी ही महिलाओं की हत्या की। (iv) **परिसंपत्तियों का बँटवारा**: संपत्तियाँ, देनदारियाँ, सरकारी कर्मचारी, रेलवे और सेना बाँटे गए; इसने भारत और पाकिस्तान के बीच घृणा और शत्रुता की स्थायी विरासत छोड़ी। **(ख)** (i) **मुस्लिम-बहुल क्षेत्रों की कोई एक पट्टी नहीं**: पाकिस्तान को भारत से अलग दो भागों में बनना पड़ा। (ii) **सभी मुस्लिम-बहुल इलाके पाकिस्तान नहीं चाहते थे**: उत्तर-पश्चिमी सीमांत प्रांत के खान अब्दुल गफ़्फ़ार खान ने इसका विरोध किया। (iii) **पंजाब और बंगाल** में गैर-मुसलमानों की बड़ी आबादी थी और उन्हें ज़िला-दर-ज़िला बाँटना पड़ा; (iv) दोनों ओर **अल्पसंख्यकों** की समस्या, जिन्हें हिंसा झेलनी पड़ी और भागना पड़ा।

मानचित्र प्रश्न

CBSE 2025 · 59/1/1 दिए गए भारत के राजनीतिक रेखा-मानचित्र में, चार राज्यों को (A), (B), (C) तथा (D) द्वारा दर्शाया गया है। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर इन राज्यों की पहचान कीजिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में इनके सही नाम, प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या तथा मानचित्र में दिए गए संबंधित अक्षर को दिए गए प्रारूप के अनुसार लिखिए (प्रारूप : प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या, संबंधित अक्षर, राज्य का नाम) : (i) वह देशी रियासत जिसके शासक ने भारत के साथ अपने विलय का विरोध किया था। (ii) वह राज्य जो देश के विभाजन से अत्यधिक प्रभावित हुआ था। (iii) मध्य प्रदेश से काट कर बनाया गया राज्य। (iv) वह राज्य जिसका गठन 1952 में हुआ था।

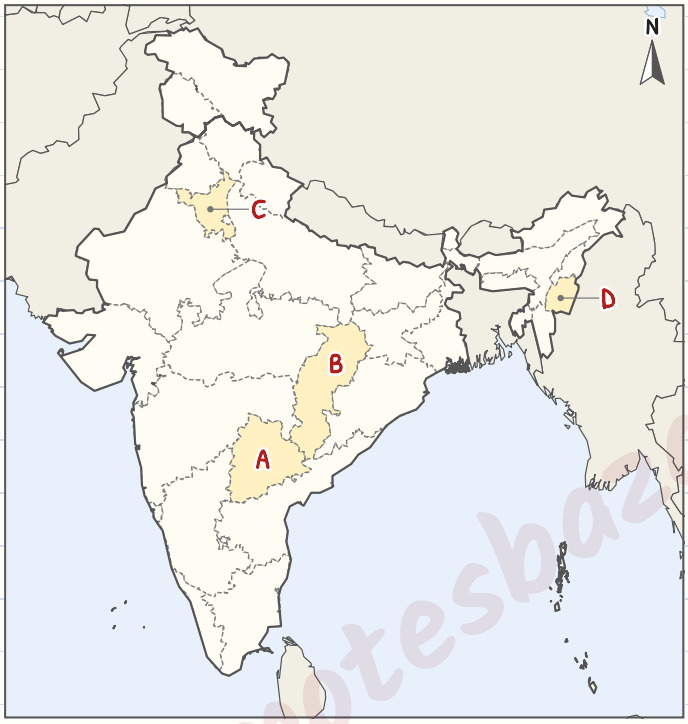


भारत का राजनीतिक रेखा-मानचित्र: राज्य A, B, C और D, जैसा CBSE 2025 · 59/1/1, प्रश्न 25 में अंकित है

[दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए : (25.1) उस केंद्रशासित क्षेत्र का नाम लिखिए जो पहले एक राज्य था। (25.2) किसी एक राज्य का नाम लिखिए जिस पर देश के विभाजन का सबसे अधिक प्रभाव हुआ। (25.3) मध्य प्रदेश से काट कर कौन सा राज्य बनाया गया ? (25.4) कौन सा राज्य 1952 में बनाया गया था ?] 4

> **उत्तर।** (i) **C – जम्मू और कश्मीर** (1947 के आक्रमण तक इसके शासक हरि सिंह किसी भी देश में नहीं मिलना चाहते थे)। (ii) **A – पंजाब।** (iii) **D – छत्तीसगढ़** (2000)। (iv) **B – आंध्र प्रदेश** (दिसंबर 1952 में घोषणा)। **दृष्टिबाधित :** जम्मू और कश्मीर / लद्दाख; पंजाब या पश्चिम बंगाल; छत्तीसगढ़; आंध्र प्रदेश।

CBSE 2025 · 59/5/1 भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र में चार राज्यों को (A), (B), (C) और (D) के रूप में अंकित किया गया है। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर, इन राज्यों की पहचान कीजिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में इनके सही नाम, प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या तथा मानचित्र में दिया गया संबंधित अक्षर, नीचे दी गई तालिका के रूप में लिखिए (प्रारूप : प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या, संबंधित अक्षर, राज्य का नाम) : (i) महाराजा बोधचन्द्र सिंह से सम्बन्धित राज्य (ii) 1966 में बनाया गया राज्य (iii) वह राज्य जो पहले मध्य प्रदेश का एक भाग था (iv) जून 2014 में बनाया गया राज्य



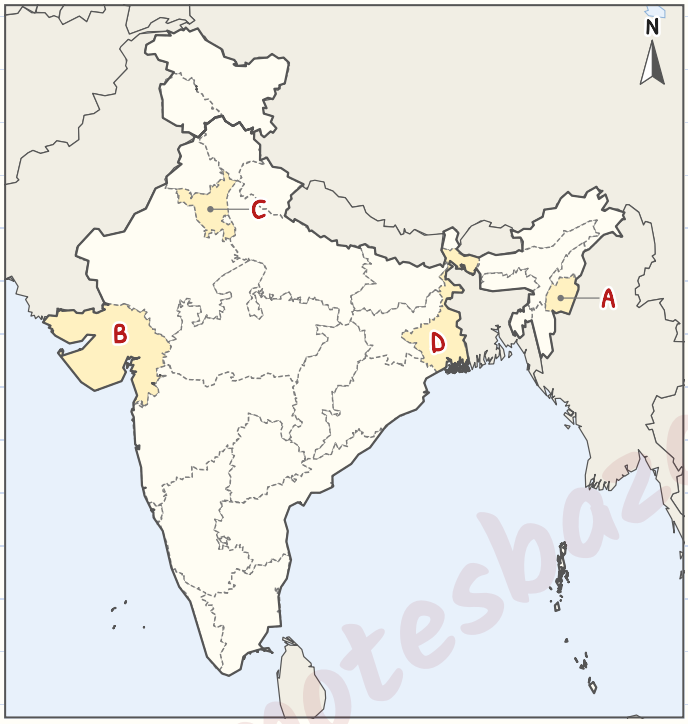
भारत का राजनीतिक रेखा-मानचित्र: राज्य A, B, C और D, जैसा CBSE 2025 · 59/5/1, प्रश्न 25 में अंकित है

[दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए : (25.1) मध्य प्रदेश से अलग कर बनाए गए राज्य का नाम लिखिए। (25.2) उस राज्य का नाम लिखिए जिससे महाराजा बोधचन्द्र सिंह का सम्बन्ध था। (25.3) भारत के प्रथम गृह मंत्री का नाम लिखिए। (25.4) ऐसे किन्हीं दो रजवाड़ों के नाम लिखिए जो प्रारम्भ में भारत संघ का भाग बनने को तैयार नहीं थे।] 4

> **उत्तर।** (i) **D – मणिपुर।** (ii) **C – हरियाणा।** (iii) **B – छत्तीसगढ़।** (iv) **A – तेलंगाना** (2 जून 2014)। **दृष्टिबाधित :** छत्तीसगढ़; मणिपुर; सरदार पटेल; हैदराबाद, त्रावणकोर, जूनागढ़, जम्मू और कश्मीर, मणिपुर में से कोई दो।

Sample notesbazar.in

CBSE 2026 · S9/S/1 भारत के दिए गए राजनीतिक रेखा-मानचित्र में चार राज्यों को (A), (B), (C) और (D) के रूप में अंकित किया गया है। नीचे दी गई जानकारी के आधार पर, इन राज्यों की पहचान कीजिए और अपनी उत्तर-पुस्तिका में इनके सही नाम, प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या तथा मानचित्र में दिया गया संबंधित अक्षर, नीचे दी गई तालिका के रूप में लिखिए (प्रारूप : प्रयोग की गई जानकारी की क्रम संख्या, संबंधित अक्षर, राज्य का नाम) : (i) वह राज्य जिसको भारत और पाकिस्तान के विभाजन के समय दो भागों में बाँटा गया था। (ii) 1966 में निर्मित राज्य। (iii) भारत के प्रथम उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल से संबंधित राज्य। (iv) महाराजा बोधचन्द्र सिंह से संबंधित राज्य।



भारत का राजनीतिक रेखा-मानचित्र: राज्य A, B, C और D, जैसा CBSE 2026 · S9/S/1, प्रश्न 25 में अंकित है

[दृष्टिबाधित परीक्षार्थियों के लिए : (25.1) भारत के प्रथम गृह मंत्री का नाम लिखिए। (25.2) स्वतंत्रता के बाद आंध्र प्रदेश का गठन किस वर्ष हुआ था ? (25.3) ब्रिटिश इंडिया के विभाजन के लिए उत्तरदायी सिद्धांत का नाम लिखिए। (25.4) झारखण्ड राज्य का गठन किस वर्ष हुआ था ?] 4

> **उत्तर।** (i) **D – पश्चिम बंगाल** (बंगाल का विभाजन हुआ; पंजाब का भी)। (ii) **C – हरियाणा।** (iii) **B – गुजरात।** (iv) **A – मणिपुर। दृष्टिबाधित :** सरदार पटेल; दिसंबर 1952 (आंध्र वस्तुतः। अक्टूबर 1953 को अस्तित्व में आया); द्वि-राष्ट्र सिद्धांत; 2000।

अभ्यास-सेट

1. स्वतंत्रता के समय की तीन चुनौतियों के नाम बताइए।
2. द्वि-राष्ट्र सिद्धांत क्या था?
3. विभाजन में कितने लोगों ने पलायन किया?
4. रज़ाकार कौन थे?
5. पोट्टी श्रीरामुलु कौन थे?
6. 1956 के अधिनियम ने क्या बनाया?

उत्तर

> **उत्तर।** 1. विविधता के साथ एकता, लोकतंत्र, सबका विकास।
> 2. मुस्लिम लीग का दावा कि हिंदू और मुसलमान दो राष्ट्र हैं।
> 3. लगभग 80 लाख।
> 4. निज़ाम का अर्धसैनिक बल।

5. एक गाँधीवादी, जिनकी आंध्र राज्य के लिए 56 दिन के उपवास के बाद मृत्यु हुई।
6. 14 राज्य और 6 केंद्रशासित प्रदेश।

बहुविकल्पीय प्रश्न: 20 MCQs

1. 14-15 अगस्त 1947 की मध्यरात्रि को नेहरू का भाषण:
(a) करो या मरो (b) भारत छोड़ो (c) ट्रिस्ट विद डेस्टिनी (d) पूर्ण स्वराज

2. द्वि-राष्ट्र सिद्धांत किसने प्रस्तुत किया?
(a) मुस्लिम लीग ने (b) कांग्रेस ने (c) अंग्रेज़ों ने (d) हिंदू महासभा ने

3. "सीमांत गाँधी" थे:
(a) मौलाना आज़ाद (b) लियाक़त अली (c) रफ़ी किदवई (d) खान अब्दुल गफ़्फ़ार खान

4. विभाजन की हिंसा में मारे गए लोगों की संख्या:
(a) 10,000 (b) 5 से 10 लाख (c) 80 लाख (d) 1 लाख

5. देशी रियासतों की संख्या:
(a) 556 (b) 565 (c) 655 (d) 500

6. देशी रियासतें ___ भू-भाग में फैली थीं:
(a) दसवें भाग (b) दो-तिहाई (c) आधे (d) एक-तिहाई

7. स्वतंत्र रहने की घोषणा करने वाली पहली रियासत:
(a) त्रावणकोर (b) भोपाल (c) हैदराबाद (d) कश्मीर

8. देशी रियासतों का एकीकरण करने वाले नेता:
(a) नेहरू (b) अंबेडकर (c) सरदार पटेल (d) राजाजी

9. निज़ाम ने यथास्थिति समझौता किया:
(a) 1949 में (b) अगस्त 1947 में (c) सितंबर 1948 में (d) नवंबर 1947 में

10. भारतीय सेना हैदराबाद में दाखिल हुई:
(a) 1947 में (b) सितंबर 1948 में (c) 1949 में (d) 1950 में

11. सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार पर चुनाव कराने वाला भारत का पहला भाग:
(a) केरल (b) हैदराबाद (c) मणिपुर (d) दिल्ली

12. मणिपुर का विलय समझौता हुआ:
(a) सितंबर 1949 में (b) 1948 में (c) 1947 में (d) 1956 में

13. कांग्रेस ने 1920 के ___ अधिवेशन में भाषायी सिद्धांत को मान्यता दी:
(a) लखनऊ (b) नागपुर (c) लाहौर (d) कराची

14. पोट्टी श्रीरामुलु ने कितने दिन उपवास किया?
(a) 21 दिन (b) 30 दिन (c) 56 दिन (d) 45 दिन

15. राज्य पुनर्गठन आयोग नियुक्त हुआ:
(a) 1960 में (b) 1952 में (c) 1956 में (d) 1953 में

16. गुजरात और महाराष्ट्र बने:
(a) 1960 में (b) 1956 में (c) 1966 में (d) 1972 में

17. हरियाणा पंजाब से अलग हुआ:
(a) 1966 में (b) 1960 में (c) 1971 में (d) 1956 में

18. झारखंड किससे अलग हुआ?
(a) ओडिशा (b) म.प्र. (c) उ.प्र. (d) बिहार

19. तेलंगाना बना:
(a) 2000 में (b) 2014 में (c) 2019 में (d) 2009 में

20. जूनागढ़ भारत में मिला:
(a) युद्ध के बाद (b) संधि के बाद (c) जनमत-संग्रह के बाद (d) न्यायालय के निर्णय के बाद

1 (c) · 2 (a) · 3 (d) · 4 (b) · 5 (b) · 6 (d) · 7 (a) · 8 (c) · 9 (d) · 10 (b) · 11 (c) · 12 (a) · 13 (b) · 14 (c) · 15 (d) · 16 (a) · 17 (a) · 18 (d) · 19 (b) · 20 (c)

अभिकथन-कारण (6)

(a) A और R दोनों सही हैं, R, A की सही व्याख्या है। (b) दोनों सही हैं, R, A की व्याख्या नहीं है। (c) A सही, R ग़लत। (d) A ग़लत, R सही।

1. A: पाकिस्तान दो भागों से बना था। R: मुस्लिम-बहुल इलाकों की कोई एक पट्टी नहीं थी।
2. A: पंजाब और बंगाल का विभाजन हुआ। R: उनमें गैर-मुस्लिम बहुसंख्या वाले बड़े इलाके थे।
3. A: 1947 के बाद नेताओं ने भाषायी पुनर्गठन टाल दिया। R: उन्हें भय था कि इससे विघटन हो सकता है।
4. A: मणिपुर के विलय का सभी ने स्वागत किया। R: महाराजा ने 1949 में विलय समझौते पर हस्ताक्षर किए।
5. A: भारतीय सेना 1948 में हैदराबाद में दाखिल हुई। R: रज़ाकारों ने जनता पर अत्याचार किए।
6. A: भाषायी राज्यों ने भारतीय एकता को कमज़ोर किया। R: राज्य पुनर्गठन आयोग ने भाषा पर आधारित सीमाओं की सिफ़ारिश की।

उत्तर-कुंजी: 1 (a) · 2 (a) · 3 (a) · 4 (d) · 5 (a) · 6 (d)

- **अंतिम रात का सार:** ट्रिस्ट विद डेस्टिनी; तीन चुनौतियाँ: विविधता में एकता, लोकतंत्र (प्रतिनिधिमूलक, संसदीय, अधिकार, वयस्क मताधिकार), विकास और कल्याण (समानता, नीति-निर्देशक सिद्धांत)। विभाजन: द्वि-राष्ट्र सिद्धांत (मुस्लिम लीग), धार्मिक बहुसंख्या; समस्याएँ: कोई एक पट्टी नहीं (पश्चिमी और पूर्वी पाकिस्तान), NWFP (गफ़्फ़ार खान), पंजाब और बंगाल का विभाजन, अल्पसंख्यक। परिणाम: 80 लाख का पलायन, 5-10 लाख की मृत्यु, महिलाओं का अपहरण, परिसंपत्तियों का बँटवारा, सांप्रदायिक इलाके; भारत धर्मनिरपेक्ष रहा; गाँधीजी का उपवास; 30 जनवरी 1948 को हत्या।
- देशी रियासतें: 565, एक-तिहाई भू-भाग; सर्वोच्चता समाप्त; त्रावणकोर, हैदराबाद, भोपाल; पटेल दृढ़ पर कूटनीतिक; तीन बातें; विलय-पत्र; कठिन मामले: जूनागढ़ (जनमत-संग्रह), हैदराबाद (निज़ाम, यथास्थिति समझौता नवंबर 1947, तेलंगाना के किसान, कम्युनिस्ट, रज़ाकार, सेना सितंबर 1948), कश्मीर, मणिपुर (बोधचन्द्र सिंह, जून 1948 के चुनाव, विलय समझौता सितंबर 1949)।
- पुनर्गठन: औपनिवेशिक सीमाएँ; नागपुर 1920; टालना; विशालांध्र, पोट्टी श्रीरामुलु (56 दिन), आंध्र (दिसंबर 1952); आयोग 1953 (फ़ज़ल अली), अधिनियम 1956 (14 राज्य, 6 केंद्रशासित प्रदेश); बाद में: गुजरात, महाराष्ट्र 1960; हरियाणा 1966; पूर्वोत्तर के राज्य 1963-87; 2000 (छत्तीसगढ़, उत्तराखंड, झारखंड); तेलंगाना 2014; भाषायी राज्यों ने एकता को मज़बूत किया।

SAMPLE · notesbazar.in